

- 1 *Hier ist verborgen*
- 2 *eine gütige und aufrichtige Frau,*
- 3 *die Krone ihres Mannes und ihrer*
- 4 *Kinder,*
- 5 *Jettle, Gattin des Jissachar Baum*
- 6 *aus Hochhausen.*
- 7 *Ihre Krankheit war schwer. Sie ging*
- 8 *fort in die Höhe im Monat Ijjar*
- 9 *648 am 20. Tag und wurde begraben*
- 10 *am 22. Tag.*
- 11 *T.N.Z.B.H.*

Sockel:

- 1 Hier ruht
- 2 Jette Baum
- 3 von Hochhausen,
- 4 gest. 1. Mai 1888
- 5 im Alter von 64 Jahren

Symbolik/Ornamentik:

Ranken, Sterne, Blätter



- | | |
|--------------------------------|----|
| פ'ט' | 1 |
| אשה טובה וישרה | 2 |
| עטרת באלה ¹ ובניה | 3 |
| יטלה אשת יששכר בויים | 4 |
| מהכהויזען | 5 |
| רבה תחלאיה ² נסתלקה | 6 |
| למרומים בחדש אייר | 7 |
| ת'ר'מ'ח' יום כ' ונקברה | 8 |
| ביום כ'ב' | 9 |
| ת'נ'צ'ב'ה' | 10 |

Grab 0095

**Baum
Jette (Jettle)**

geb. 00.00.1821/1822
gest. 01.05.1888

¹ צ"ל בעלה
² צ"ל תחלואיה